भारत-जर्मनी के बीच व्यापार संबंधों को बढ़ाने पर विशेष सत्र

कोलकाता @ पत्रिका. कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स ने भारत और जर्मनी के बीच व्यापार संबंधों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित एक विशेष सत्र का आयोजन गुरुवार को किया। कोलकाता में जर्मनी के संघीय गणराज्य की महावाणिज्यदूत बारबरा वॉस और इंडो-जर्मन चैंबर ऑफ कॉमर्स, कोलकाता के क्षेत्रीय निदेशकटॉम रेनर सहित विशिष्ट अतिथि इसमें शामिल हुए। जर्मनी के साथ भारत के द्विपक्षीय व्यापार में लगातार वृद्धि देखी गई है।

जर्मनी यूरोप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान दोनों देशों के बीच कुल द्विपक्षीय व्यापार 26 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया जिसमें मशीनरी, कपड़ा, रसायन और ऑटोमोटिव उद्योगों जैसे विभिन्न क्षेत्रों का महत्वपूर्ण योगदान था। जर्मन इंडिया स्टार्टअप एक्सचेंज प्रोग्राम और मेक इन इंडिया मित्तेलस्टैंड प्रोग्राम जैसी प्रमुख पहलों पर भी प्रकाश डाला गया। इसका उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना और भारतीय बाजार में जर्मन एमएसएमई के प्रवेश को सुविधाजनक बनाना है। बारबरा वॉस ने कहा कि जर्मन कंपनियों के पास भारतीय कार्य मामलों में एक नवीन भावना और उच्च स्तर की विशेषज्ञता है। कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष हरिशंकर हलवासिया ने स्वागत भाषण दिया। मौके पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष आनंद सहरिया और उपाध्यक्ष अमित शम उपस्थित थे।